बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

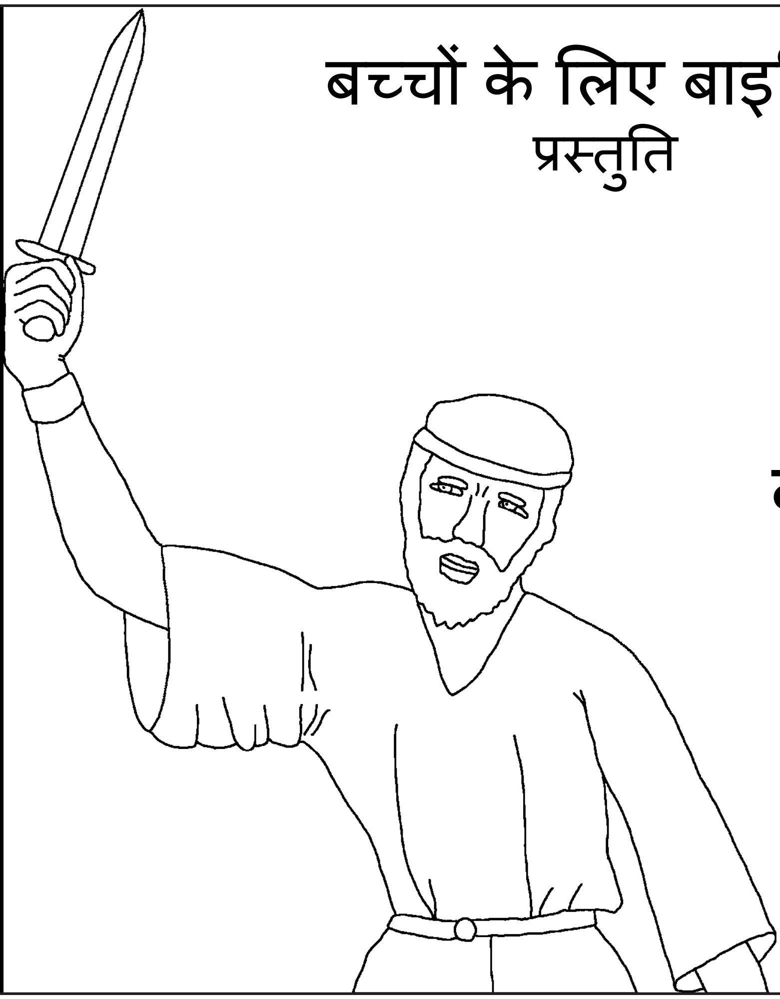

गिदोन की छोटी सेना

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest; Alastair Paterson
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

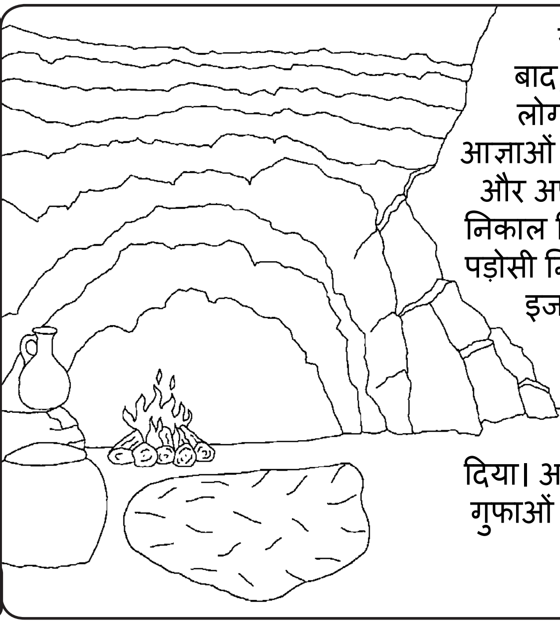

यहोशू के मृत्यु के बाद, इस्राएल के सभी लोगों ने परमेश्वर की आज्ञाओं का उलंघन किया और अपने जीवन से उसे निकाल दिये। परमेश्वर ने पड़ोसी मिद्यानियों द्वारा इजरायल की फसलों और घरों को

जलाने दिया। अब इस्राएलियों को गुफाओं में रहना पड़ा था।

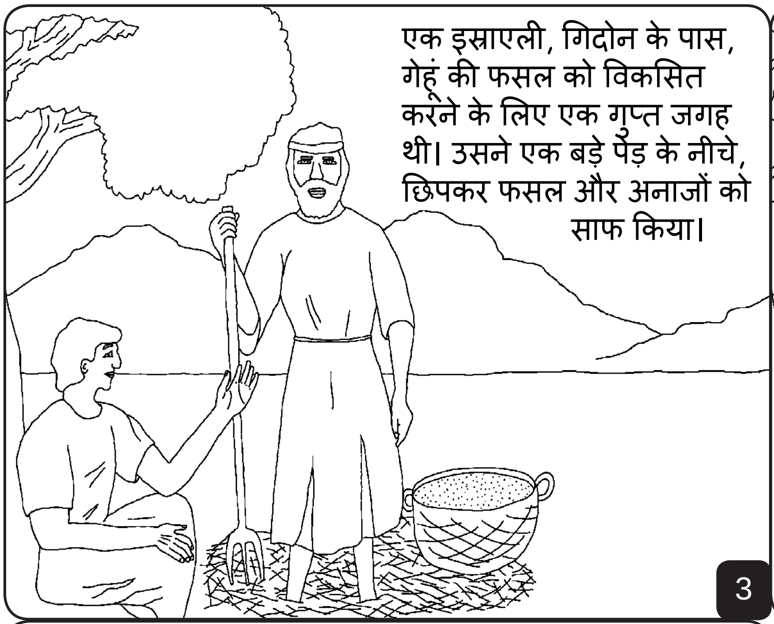
एक इस्राएली, गिदोन के पास, गेहूं की फसल को विकसित करने के लिए एक गुप्त जगह थी। उसने एक बड़े पेड़ के नीचे, छिपकर फसल और अनाजों को साफ किया।
3

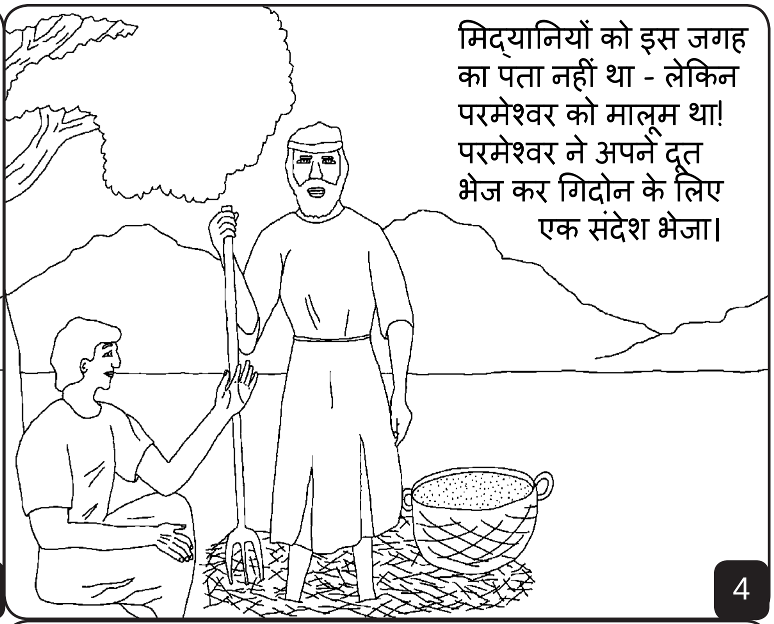
मिद्यानियों को इस जगह का पता नहीं था - लेकिन परमेश्वर को मालूम था! परमेश्वर ने अपने दूत भेज कर गिदोन के लिए एक संदेश भेजा।
4

परमेश्वर चाहता था की गिदोन अपने ही पिता की झूठी देवता वाली छवि को नष्ट कर सच्चे परमेश्वर के लिये एक वेदी का निर्माण करे। हालांकि गिदोन डर रहा था की देशवासी उसे मार डालेंगे, पर उसने वही किया जो परमेश्वर ने उसे आज्ञा दिया था।
5

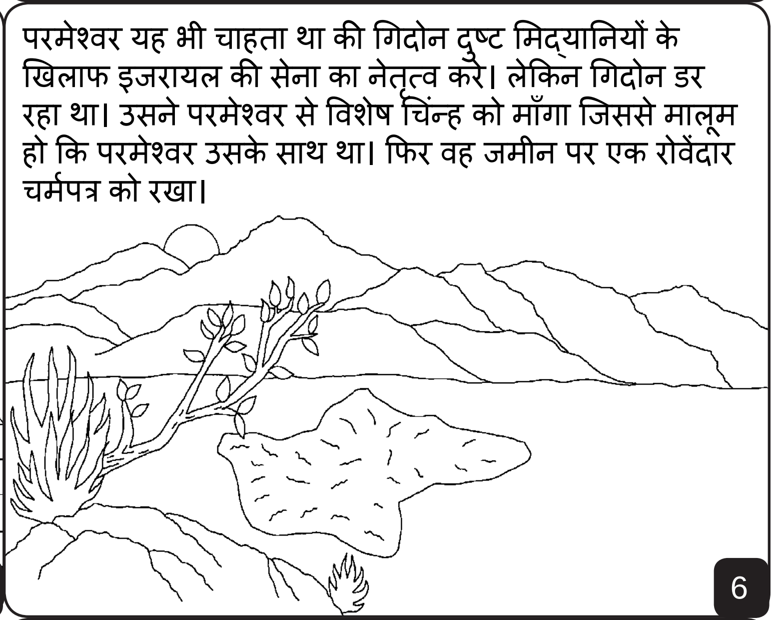
परमेश्वर यह भी चाहता था की गिदोन दुष्ट मिद्यानियों के खिलाफ इजरायल की सेना का नेतृत्व करे। लेकिन गिदोन डर रहा था। उसने परमेश्वर से विशेष चिंन्ह को माँगा जिससे मालूम हो कि परमेश्वर उसके साथ था। फिर वह जमीन पर एक रोवेंदार चर्मपत्र को रखा।
6

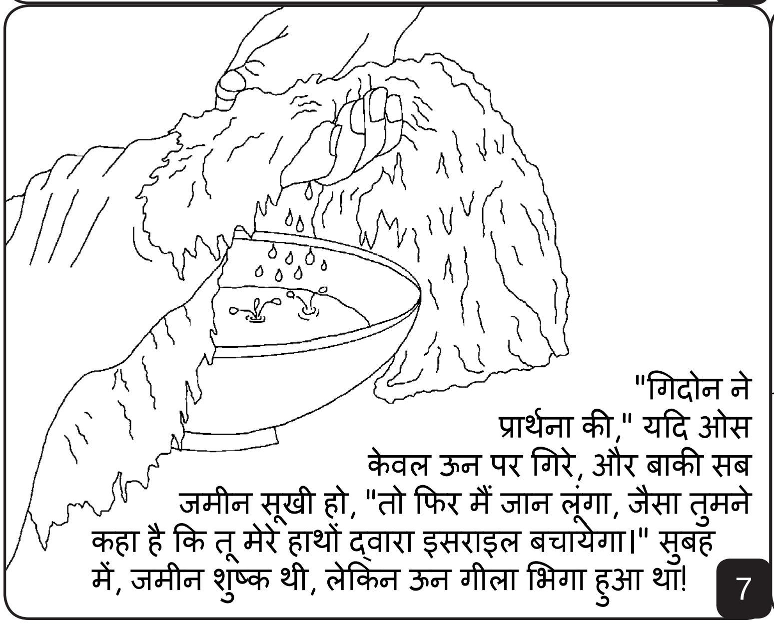
"गिदोन ने प्रार्थना की," यदि ओस केवल ऊन पर गिरे, और बाकी सब जमीन सूखी हो, "तो फिर मैं जान लूंगा, जैसा तुमने कहा है कि तू मेरे हाथों द्वारा इसराइल बचायेगा।" सुबह में, जमीन शुष्क थी, लेकिन ऊन गीला भिगा हुआ था!
7

गिदोन अभी भी संदेह किया। अब वह चाहता था की परमेश्वर केवल जमीन पर ओस भेजे और उस ऊन पर बिलकुल नहीं। अगली सुबह - जमीन गीली थी लेकिन ऊन एकदम सूखा था!
8

गिदोन 32,000 की फौज के साथ बाहर निकला। परमेश्वर ने केवल 300 पुरुषों के लिए अनुमति दी। परमेश्वर नहीं चाहता था इसराइल कहे की "हमने अपने हाँथो के बल जीत हांसिल की है।" केवल यहोवा ही इसराइल का एकमात्र मुक्तिदाता था।

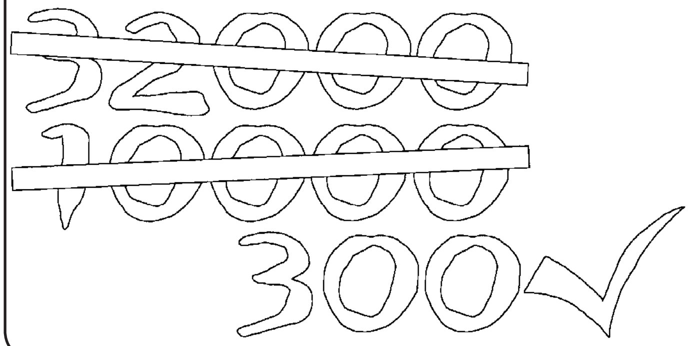

9

यह जानते हुवे की गिदोन अभी भी डरा हुआ है, परमेश्वर ने चुपके से एक मिद्‌यानी सैनिक को एक अजीब सपने के बारे में दूसरे को बताते सुनने दिया। सपने में, रोटी का एक पाव एक मिद्‌यानी तम्बू के खिलाफ आया और उसे नष्ट कर दिया।

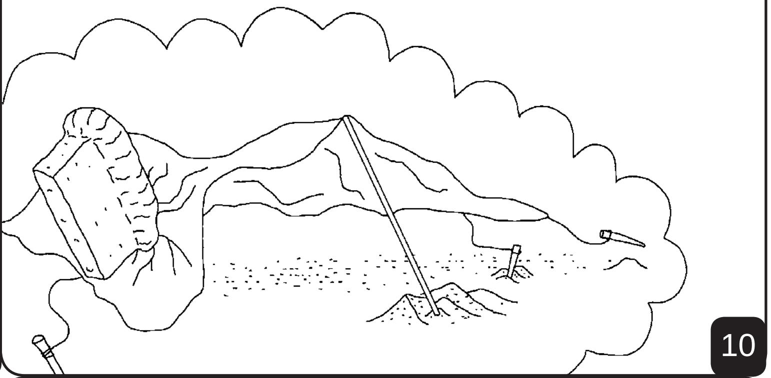

10

दूसरा सिपाही डर गया। "यह तो ... गिदोन की तलवार है..." वह चिल्लाया। गिदोन सपने का अर्थ सुनने के बाद, यह जान लिया अब परमेश्वर उसे बिजयी बनाने जा रहा था।

11

गिदोन ने एक रात हमले की योजना बनाई। उसने प्रत्येक सैनिक को एक तुरही दी, और अंदर मशालों के साथ खाली घड़े भी दी। उन्होंने मिद्‌यानी सेना को घेर लिया।

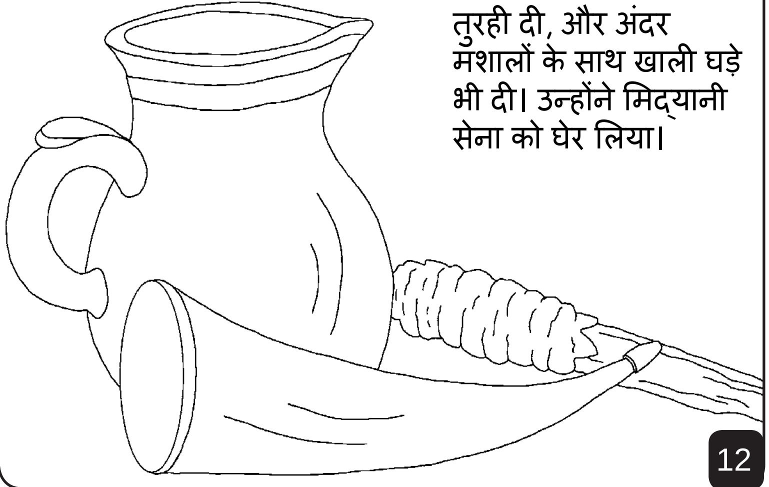

12

गिदोन के संकेत के अनुसार, सैनिकों ने तुरही बजा दी, उनके घड़ो को तोड़कर मशाले जला लीं। यह क्या शोर है! सब भ्रम में डर गये और मिद्‌यानियों उठकर भाग गये।

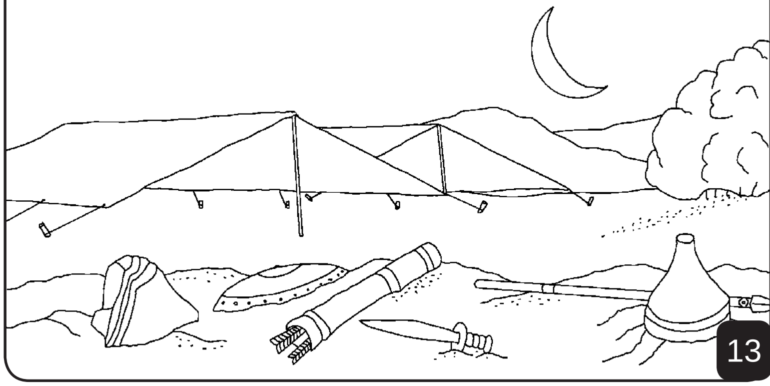

13

इस महान जीत के बाद इस्राएल के पुरुषों ने उन पर शासन करने के लिए गिदोन से कहा। गिदोन ने उत्तर दिया, "मैं नहीं पर यहोवा तुम पर शासन करेगा।" वह जानता था कि लोगों के जीवन पर शासन करने का अधिकार सिर्फ परमेश्वर ही का है।

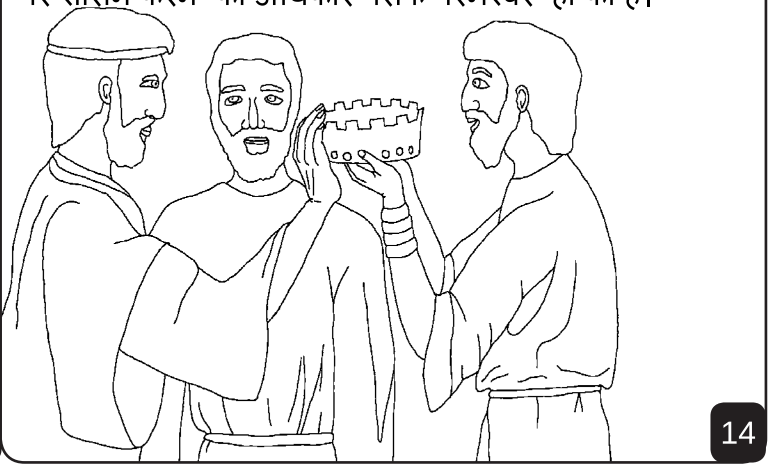

14

गिदोन की छोटी सेना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

न्यायियोँ 6-8

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

15

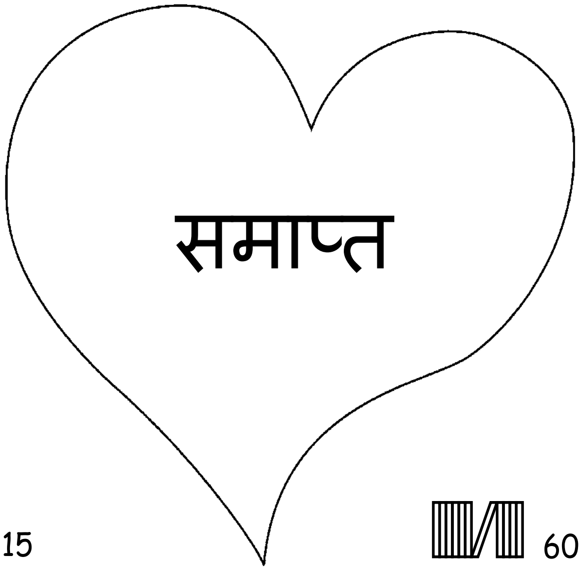

15

60

16

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन मैं हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16

17